कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकरकन्यास्नातकोत्तरमहाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोडदुर्ग (छ.ग.)
पूर्वनाम–शासकीय कन्यामहाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 06.09.2025

//प्रेस विज्ञप्ति//

कन्या महाविद्यालय में तीन दिवसीय माटी शिल्प कार्यशाला

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के चित्रकला एवं मूर्तिकला विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय माटी शिल्प कार्यशाला का समापन 4 सितंबर 2025 को सफलतापूर्वक हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण को बढ़ावा देना था, जिसमें प्रशिक्षक के रूप में श्री जितेंद्र साहू को आमंत्रित किया गया। श्री जितेंद्र साहू ने प्लास्टर या प्लास्टिक की जगह, केवल मिट्टी का उपयोग कर विशेष तकनीक से गणेश प्रतिमा निर्माण की विधि सिखाई। इस प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और आकर्षक गणेश प्रतिमाएँ बनाईं। कार्यशाला के अंतिम दिन, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रंजना श्रीवास्तव, प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों, क्रीडाधिकारी, और अतिथि व्याख्याताओं ने छात्राओं द्वारा निर्मित गणेश प्रतिमाओं का अवलोकन किया। तत्पश्चात, समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मिलिंद अमृतफले, विभागाध्यक्ष (चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, और नृत्य विभाग) ने किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्राचार्या डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक और प्लास्टर से बनी मूर्तियाँ पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती हैं, जबकि मिट्टी की मूर्तियाँ पर्यावरण संरक्षण में सहायक हैं। कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रशिक्षक जितेंद्र साहू ने छात्राओं के उत्साह और मूर्तिकला के प्रति उनकी लगन की सराहना की। डॉ. अमृतफले ने इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं को "पर्यावरण संरक्षक" और "सांस्कृतिक धरोहर" के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन तृप्ति खरे, अतिथि शिक्षण सहायक, (मूर्तिकला विभाग) ने किया।

कार्यशाला को सफल बनाने में श्री चंदन देकाते (अतिथि व्याख्याता, चित्रकला), सृष्टि मन्ना (अतिथि शिक्षण सहायक, नृत्य), छात्राएँ मुस्कान यादव, हंसिनी, अंकिता, सोना ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 रंजना श्रीवास्तव)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

दुर्ग, दिनांक : 06.09.2025

//प्रेस विज्ञप्ति//

कन्या महाविद्यालय में तीन दिवसीय माटी शिल्प कार्यशाला